उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि
तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१७५ वा शनिवार २५ जनवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

वक्फ विधेयक को लेकर, संयुक्त सदस्य समिति में हंगामा, असद अवेसी समेत दस सांसद निलंबित

नई दिल्ली। समाचार एजेंसी

विवादित वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की ५०० पन्नों की रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। इस रिपोर्ट पर शुक्रवार और शनिवार को चर्चा के लिए दो दिवसीय बैठक बुलाई गई थी। लेकिन, आज बैठक के पहले ही दिन सांसदों के बीच हंगामा हो गया, जिसके चलते अब विपक्षी दलों के १० सांसदों को समिति से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित सांसदों में शिवसेना (ठाकरे) के अरविंद सावंत और असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल हैं। इस बैठक में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद इसे विधि मंत्रालय को सौंपा जाना था। इस बार के बजट सत्र में यह विधेयक पेश किए जाने की संभावना है।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल इस संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि आज हमने जम्मू-कश्मीर के शिष्टमंडल मीरवाइज उमर फारूक को उनका पक्ष रखने का समय दिया था। लेकिन, संसद में विधेयक की चर्चा में भाग न लेने वाले असदुद्दीन ओवैसी आज चर्चा में शामिल हुए। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने मुझसे अशिष्ट व्यवहार किया और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया। मैं उन्हें शांत रहने की अपील कर रहा था, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे। आखिरकार, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया।

निलंबित किए गए सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए. राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नसीर हुसैन, मोहिबुल्ला, मोहम्मद अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीम-उल-हक और इमरान मसूद का नाम शामिल है।

आज की बैठक की शुरुआत ही हंगामे से हुई। विपक्षी दलों के सांसदों ने आरोप लगाया कि विधेयक में जो बदलाव सुझाए गए हैं, उनका अध्ययन करने के लिए उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया गया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, जिन्हें संसदीय समिति से निलंबित कर दिया गया, ने कहा कि सरकार वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण चाहती है।

लोकसभा में पेश किए गए वक्फ विधेयक में ४४ संशोधन सुझाए गए हैं। इन संशोधनों पर जेपीसी' की दो दिवसीय बैठक

में विस्तार से चर्चा होनी थी। राज्यों के वक्फ बोर्डों के पास १९५० में ३५ हजार जमीनें थीं, लेकिन पिछले ७५ वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर १० लाख हो गई है। जेपीसी' में भाजपा के सत्ताधारी सदस्यों ने आरोप लगाया है कि वक्फ बोर्ड ने इनमें से कई जमीनों पर कब्जा कर लिया है। इन जमीनों के स्वामित्व को लेकर पूर्व प्रभाव से समीक्षा करने की मांग समिति में की गई।

जेपीसी' की अब तक हुई ३४ बैठकों में से अधिकांश बैठकें विवादित रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने एक बार बैठक में बोतल तक तोड़ दी थी। कांग्रेस, डीएमके, शिवसेना (ठाकरे) समेत अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने विधेयक में किए गए संशोधनों का कड़ा विरोध किया है। आज की बैठक में भी यही स्थिति देखने को मिली।

उद्धव ठाकरे की हालत शोले के असरानी जैसी-मंत्री आशीष शेलार

विशेष संवाददाता

मुंबई:

उद्धव ठाकरे की हालत शोले फिल्म के असरानी जैसी होने वाली है, इसलिए वे कह रहे हैं कि वे अकेले लड़ेंगे। आधुनिक महाराष्ट्र के विश्वासघाती नेता के रूप में उद्धव ठाकरे की पहचान है, ऐसा तीखा आरोप सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक कार्य मंत्री तथा मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने किया है।

उद्धव ठाकरे के कल के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए शेलार ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए निशाना साधा। शेलार ने लिखा, श्रीमान उद्धव ठाकरे का जन्म २७ जुलाई १९६० को हुआ था। इसलिए, १९५१ में स्थापित जनसंघ के बारे में उन्हें जानकारी होना संभव नहीं है। ५ और ६ अप्रैल १९८० को दिल्ली में जनसंघ के नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें एक नए राजनीतिक दल की स्थापना का निर्णय लिया गया। उस समय उनकी उम्र केवल २० वर्ष थी। इसलिए, इस संबंध में भी उन्हें जानकारी नहीं हो सकती।

आप जनसंघ और भाजपा की स्थापना पर, १०० साल पूरे करने वाले संघ पर बोलते हैं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर में देश का सम्मान बढ़ाया और भाजपा को दुनिया का नंबर एक दल बनाया। जिन अमित भाई शाह ने यह कर दिखाया, उनके बारे में आप बात करते हैं? समाजवादियों की किताबें पढ़कर आपको महाराष्ट्र और जनसंघ का इतिहास समझ नहीं आएगा।

आप अमित भाई शाह की पीठ पर चोट के निशान डालने की बात कर रहे हैं? किस बात के? कब? पहले आप अपने पिता, हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे, जो २६ जुलाई की बाढ़ में फंसे थे, उस समय की घटना याद कीजिए। उस समय आप मिठी नदी की बाढ़ को छोड़कर पंचतारा होटल में भाग गए थे। उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के निशान आपकी पीठ और जीवन पर गहरे हैं। कभी मातोश्री के शीशे के सामने खड़े होकर इन्हें देखिए। ठेकेदारों से कमीशन खाकर आपने मुंबई का जो बुरा हाल किया है, उसके घाव दो करोड़ मुंबईकरों के दिलों पर हैं। उनकी झुर्रियां क्या आपको अपने चेहरे पर दिखती हैं? यह भी शीशे से पूछकर देखिए। तब आपको पता चलेगा कि घाव गहरे हैं या आपके दिमाग में ही कोई गड़बड़ है, इन तीखे शब्दों में उन्होंने पलटवार किया।

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव की तैयारी में जुटें: अजित पवार

नांदेड़ में विभिन्न दलों के पदाधिकारियों ने राष्ट्रवादी में प्रवेश किया

मुंबई:

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव में अधिक से अधिक सदस्यों को विजयी बनाने के लिए प्रयास करें और चुनाव को ध्यान में रखते हुए तैयारी शुरू करें। यह आह्वान राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार ने किया।

गुरुवार को नांदेड़ जिले के नायगांव विधानसभा क्षेत्र के लगभग ५० गांवों के विभिन्न दलों के पदाधिकारियों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस में प्रवेश किया। इस अवसर पर उन्होंने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि नांदेड़ जिले और शहर में पार्टी की ताकत बढ़ाने के लिए प्रयास करें। इसके लिए जरूरी हर सहयोग पार्टी और सरकार की ओर से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। सभी वर्गों के अधिक से अधिक लोग इसमें कैसे शामिल हों, इस पर ध्यान दें।

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन हुआ है। जनता ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि उनकी समस्याओं का समाधान करें। पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखना चाहिए। इसी दिशा में पार्टी कार्यों का ढांचा तैयार किया जा रहा है और आवश्यक कार्यक्रम दिए जाएंगे।

पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि हम केवल राजनीति ही नहीं करते, बल्कि सभी वर्गों की समस्याओं को भी समझने का प्रयास करते हैं।

प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने नए प्रवेशकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, आज आप जिस ताकत के साथ पार्टी में शामिल हो रहे हैं, उससे हमारी पार्टी की ताकत और बढ़ेगी। अब हमें 'अजितपर्व' को आगे बढ़ाते हुए भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है।

इस अवसर पर विधायक प्रतापराव चिखलीकर-पाटिल, विधायक शिवाजीराव गर्जे, विधायक इद्रीस नायकवाड़ी, मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे, सहकोषाध्यक्ष संजय बोरगे, प्रदेश महासचिव लतीफ तांबोळी आदि उपस्थित थे।

वाल्मिक कराड के कहने पर महादेव गित्ते पर हमला: जितेंद्र आव्हाडने शेयर किया 'वह' वीडियो

जमीर काज़ी

मुंबई:

बीड जिले के परली तालुका के मरळवाड़ी गांव के सरपंच बापू आंधळे की पिछले साल २९ जून को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने दावा किया है कि यह कृत्य वर्तमान में न्यायिक हिरासत में चल रहे वाल्मिक कराड के कहने पर किया गया था। इस संबंध में, आव्हाड ने हमले में घायल महादेव गित्ते का वीडियो ट्वीट करते हुए साझा किया है।

परली शहर के बैंक कॉलोनी क्षेत्र में यह घटना घटी थी, जिसमें बापू आंधळे की मौके पर ही मौत हो गई थी। महादेव गित्ते पर वाल्मिक कराड के कहने पर हमला किए जाने का आरोप लगाया गया है। घायल व्यक्ति का अंबाजोगाई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान का वीडियो आव्हाड ने शेयर किया है। इस वीडियो से मामला और भी गर्मा गया है, और ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि वाल्मिक कराड की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

महादेव गित्ते ने, जिस पर वाल्मिक कराड के कहने पर हमला हुआ था, इलाज के दौरान पिछले साल २ जुलाई को अंबाजोगाई मेडिकल कॉलेज में एक वीडियो बनाया था।

मामला क्या है?

अजित पवार गुट के सरपंच बापू आंधळे की २९ जून २०२४ को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुरानी दुश्मनी के चलते उनकी हत्या की गई थी। परली शहर के बैंक कॉलोनी इलाके में उन पर गोलीबारी हुई थी। इस मामले में बबन गित्ते, मुकुंद गित्ते, महादेव गित्ते, राजाभाऊ निहरकर और राजेश वाघमोडे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वहीं, दर्ज की गई एक अन्य शिकायत में मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड सहित सात लोगों पर मामला दर्ज किया गया था।

हालांकि, जांच में वाल्मिक कराड की संलिप्तता नहीं पाई गई थी और उनका नाम इस मामले से हटा दिया गया था। लेकिन अब, जितेंद्र आव्हाड द्वारा किए गए ट्वीट के बाद यह मामला फिर से चर्चा में आ गया है।

राज्य के सभी जिलाधिकारी कार्यालयों में मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष

विशेष संवाददाता

मुंबई:

राज्य के जरूरतमंद रोगियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए राज्य के सभी जिलाधिकारी कार्यालयों में मुख्यमंत्री सहायता कक्ष शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पहले कार्यकाल में जरूरतमंदों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मंत्रालय में मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष की शुरुआत की गई थी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने निर्देश दिया था कि यह सेवा नागरिकों को उनके ही जिले में आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए। इसी के तहत राज्य के सभी जिलाधिकारी कार्यालयों में मुख्यमंत्री सहायता कक्ष शुरू करने का शासनादेश जारी किया गया है। इस कक्ष में प्रस्तुत आवेदनों का फॉलो-अप करने के लिए रोगी और उनके परिजन मंत्रालय आते हैं। इस निर्णय से नागरिकों को मुख्यमंत्री सहायता निधि से संबंधित मामलों की जानकारी उनके जिले में ही मिल जाएगी। मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष के प्रमुख रमेश्वर नाइक ने बताया कि फडणवीस के मार्गदर्शन में इस कक्ष का संचालन अधिक सरल और पेपरलेस किया जा रहा है।

महंगे चिकित्सा उपचार के लिए जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को आर्थिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस की जा रही है, जिससे अब इस प्रक्रिया के लिए मंत्रालय आने की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए जल्द ही एक स्वतंत्र ऑनलाइन प्रणाली विकसित की जाएगी।

मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता निधि के माध्यम से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए जरूरतमंद नागरिकों को आवश्यक आर्थिक मदद दी जाती है। इस सेवा का लाभ अधिक से अधिक लोगों को सरलता से मिल सके, इस उद्देश्य से जिलाधिकारी कार्यालयों में मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष शुरू किया जाएगा। संबंधित जिलों के मुख्यमंत्री सहायता कक्ष में प्राप्त आवेदनों की वर्तमान स्थिति नागरिकों को प्रदान करना, समस्याओं का समाधान करना, आए हुए मरीजों के परिजनों को आवेदन भरने में मदद करना, मुख्यमंत्री सहायता निधि से आर्थिक सहायता प्राप्त मरीजों से अस्पताल जाकर मिलना, इस कक्ष के बारे में जागरूकता और प्रचार करना, जिले में आपदा प्रभावित स्थानों का दौरा करना और आर्थिक सहायता के लिए बीमारियों की समीक्षा कर नई सहायता राशि तय करना, इन सभी कार्यों के लिए राज्य के विशेषज्ञ डॉक्टरों की समिति का गठन किया गया है।

इससे आर्थिक सहायता प्राप्त करने योग्य बीमारियों की संख्या में वृद्धि होगी और बढ़ते उपचार खर्चों को ध्यान में रखते हुए सहायता राशि की भी समीक्षा की जाएगी। नाइक ने कहा कि मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष के माध्यम से कई गंभीर बीमारियों के उपचार पर आने वाले खर्च के लिए मरीजों को आर्थिक मदद दी जाती है। साथ ही, आपदाओं के समय भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

इस प्रक्रिया को और सुविधाजनक बनाने के लिए धर्मार्थ अस्पताल सहायता कक्ष की ऑनलाइन प्रणाली (चैरिटी पोर्टल) और मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष की ऑनलाइन प्रणाली (सीएमआरएफ पोर्टल) को एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान कार्य प्रणाली के अनुसार, मरीज को दिया जाने वाला एओ नंबर और एम नंबर को एकीकृत किया जाएगा। इस सुविधा से निधि के आवेदन की प्रक्रिया और तेज और सरल हो जाएगी।

ऐतिहासिक बीबी का मकबरा मे भी उर्दू भाषा के साथ सौतेला व्यवहार

उर्दू भाषा मे जानकारी फलक लगाया जाए – एस.एम.युसूफ़

बी (संवाददाता) – ज़िले के बाजू में औरंगाबाद अभी छत्रपति संभाजी नगर में स्थित ऐतिहासिक बीवी का मकबरा में उर्दू भाषा का जानकारी फलक लगाया जाए ऐसी माँग देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, महाराष्ट्र के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, महानिदेशक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, औरंगाबाद, मराठवाड़ा विभागीय आयुक्त, औरंगाबाद के ज़िलाधिकारी, आयुक्त, महापौर और विरोधी पक्ष नेता

महानगरपालिका औरंगाबाद इन्हें बी ज़िलाधिकारी द्वारा आज़ाद सहाफी एस.एम.युसूफ़ और प्रसिद्ध गायक एम.एम.शेख ने भेजे हुए आवेदन पत्र में की है।

उपरोक्त विषय मे भेजे आवेदन पत्र मे कहा है कि, आज के छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद) शहर महाराष्ट्र मे स्थित हमारी

ऐतिहासिक धरोहर बीबी का मकबरा जो बादशाह औरंगजेब ने सदियों पहले बनाया हुआ है, इस ऐतिहासिक वास्तु को देखने के लिए आनेवाले पर्यटकों को जानकारी मिले ईसलिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा यहां तीन जानकारी फलक लगाए गए हैं। जो हिंदी, मराठी और अंग्रेजी भाषा में दार्शनिक है। हम भारतीय मानते हैं कि, हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। मराठी महाराष्ट्र की भाषा है। जो पूरे महाराष्ट्र के मुकाबले मराठवाड़ा में ज्यादा इस्तेमाल होती है और अंग्रेजी पाश्चात्य भाषा है। इसलिए इन तीनों भाषाओं के फलक बीबी का मकबरा में लगवाए गए हैं। बीबी का मकबरा देखने के लिए आनेवाले पर्यटक न सिर्फ़ महाराष्ट्र और हमारे भारत देश से बल्कि पूरे विश्व से आते हैं। इसलिए बीबी का मकबरा की संक्षिप्त जानकारी देने के लिए यहाँ हिंदी, मराठी और अंग्रेजी भाषाओं में जानकारी के फलक लगवाए गए हैं। लेकिन उर्दू भाषा को नज़र अंदाज करके दरकिनार कर दिया गया है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि, उर्दू भाषा के साथ बीबी का मकबरा में सौतेला व्यवहार किया गया है। जबकि उर्दू भाषा न सिर्फ़ महाराष्ट्र बल्कि अपने पूरे भारत देश में लिखी-पढ़ी जाती है। साथ ही पड़ोसी देश जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका वगैरा के साथ ही अन्य इस्लामी देशों मे भी पी जाती है। बीबी का मकबरा देखने के लिए अपने पूरे भारत देश के साथ ही विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में हर दिन आते रहते हैं। जिन मे ऐसे भी मुस्लिम पर्यटक बड़ी संख्या में रहते हैं, जिन्होंने कभी स्कूली शिक्षा नहीं ली। इसलिए वह हिंदी, मराठी, अंग्रेजी भाषाएं ना पढ़ सकते हैं, ना लिख सकते हैं। लेकिन चुंकि वह मुसलमान है इसलिए वह क़ुरआन पढ़ते हैं। क़ुरआन ज्यादातर मुस्लिम अरबी भाषा मे पढ़ते हैं। इसलिए अरबी भाषा से मिलती-जुलती उर्दू भाषा भी क़ुरआन पनेवालों को आती है। और फ़ीर वैसे भी उर्दू भाषा कोई विदेशी भाषा नहीं है बल्कि यह भाषा भारत में ही पैदा हुई, पली बी है। इसी भाषा में हमारे भारत देश में बड़े-बड़े विद्वान, शायर, लेखक, कवि हुए और आज भी है। यह सिर्फ़ मुसलमानों की भाषा नहीं है अपितु पूरे भारतवर्ष की भाषा है। इसलिए जिस तरह बीबी का मकबरा में हिंदी, मराठी और अंग्रेजी भाषा में जानकारी के फलक लगवाए गए हैं उसीतरह उर्दू भाषा मे भी जानकारी का फलक लगाया जाए। ताकि बीबी का मकबरा देखने आए पर्यटक जिन्हें हिंदी, मराठी और अंग्रेजी भाषा ना आती हो, पर जो उर्दू भाषा पढ़ सकते हैं, समझते है, ऐसे पर्यटकों के लिए बीबी का मकबरा में उर्दू भाषा का जानकारी फलक लगवाना ज़रूरी है। इसलिए यहाँ हिंदी, मराठी और अंग्रेजी के लगवाए गए फलक के साथ ही उर्दू भाषा मे जानकारी फलक लगवाया जाए। ऐसी माँग आज़ाद सहाफी एस.एम.युसूफ़ और प्रसिद्ध गायक एम.एम.शेख ने ज़िलाधिकारी बीड़ द्वारा भेजे आवेदन पत्र में की है।

वह मैं नहीं हूं - सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी का कोर्ट में दावा

आरोपी शरीफ-उल-इस्लाम शहजाद का २९ जनवरी तक पुलिस रिमांड

मुंबई, २४ जनवरी (अज़ीज़ एजाज़):

फिल्म स्टार सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी ने आज कोर्ट में अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से इनकार कर दिया। आरोपी मोहम्मद शरीफ-उल-इस्लाम शहजाद को आज सेशन कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे २९ जनवरी तक पुलिस रिमांड पर रखने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने सैफ अली खान पर हमले में और लोगों के शामिल होने की संभावना जताई।

पुलिस ने कोर्ट को यह भी बताया कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है और उसने अभी तक उस हथियार के बारे में जानकारी नहीं दी है, जिसका उसने अपराध के लिए उपयोग किया था। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि ठाणे शहर से सटे इलाके से गिरफ्तार आरोपी एक बांग्लादेशी है, जिसने पिछले साल भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया और अपना नाम बदलकर विजय दास रख लिया। इसलिए इस मामले में पूरी जांच करना बेहद जरूरी है। अदालत ने कहा कि आरोपी की निर्दोषता का पता लगाने के लिए भी और पूछताछ जरूरी है। अदालत ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड से ऐसा कुछ भी नहीं लगता कि आरोपी की गिरफ्तारी अवैध है।

कोर्ट के बाहर आरोपी के वकील संदीप ने मीडिया को बताया कि पुलिस रिमांड की कोई ठोस वजह नहीं थी। उन्होंने कहा, मैंने आज आरोपी से बात की। वह बहुत डरा हुआ था। उसने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में जो व्यक्ति दिख रहा है, वह मैं नहीं हूं। आरोपी ने दावा किया है कि उसे फंसाया जा रहा है।

वकील ने आगे कहा कि पुलिस ने अभी तक कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया है। यह साबित नहीं हो सका है कि आरोपी ने अपराध किया है। इसके अलावा, मीडिया में जारी सीसीटीवी फुटेज में आरोपी के चेहरे से समानता नहीं दिखती। जब आरोपी को गिरफ्तार किया गया, तो उसके परिवार को भी कोई सूचना नहीं दी गई। उसे सीधे उठा लिया गया।

वकील ने यह भी सवाल उठाया कि १२ मंजिला इमारत में सिर्फ सीढ़ियों पर ही सीसीटीवी क्यों लगाया गया है। इसके अलावा, घटना के बाद करीना कपूर घर में मौजूद होने के बावजूद सैफ अली खान के साथ अस्पताल क्यों नहीं गईं? और सैफ अली खान पर हमला होने के बाद भी उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड या पुलिस को फोन क्यों नहीं किया?

इससे पहले पुलिस ने कोर्ट को बताया कि आरोपी शरीफ-उल-इस्लाम शहजाद उर्फ दास बांग्लादेशी घुसपैठिया है, जो मई में बांग्लादेश की सीमा पर डाकी नदी पार कर भारत में दाखिल हुआ था। मेघालय में दाखिल होने के बाद उसने एक ब्रोकर को दस हजार रुपये दिए। ब्रोकर उसे असम ले आया और एक सिम कार्ड भी उपलब्ध कराया। ब्रोकर ने उसे कोलकाता जाने वाली बस में बैठा दिया। तीन दिनों तक कोलकाता में रहने के बाद आरोपी ने मुंबई जाने वाली ट्रेन पकड़ी। मुंबई पहुंचने के बाद उसने तीन दिन घुमते हुए बिताए। इसके बाद उसका परिचय जितेंद्र पांडे नामक व्यक्ति से हुआ। पांडे ने उसे वरली के एक पब में क्लीनर की नौकरी दिलाई। हालांकि, पिछले साल अगस्त में कुछ ही दिनों के बाद उसे चोरी के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया।

बीड नाट्य परिषद की एकांकिका विच्छेदन अंतिम चरण में पहुंची

बीड (प्रतिनिधि):

अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद, बीड शाखा की एकांकिका विच्छेदन शाखा के अंतर्गत आयोजित एकांकिका प्रतियोगिता में उत्कृष्ट साबित हुई है। इस एकांकिका ने निर्देशन और अभिनय के लिए पुरस्कार सहित तीन पुरस्कार प्राप्त किए हैं। इसका प्रदर्शन ३१ जनवरी को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में होने वाले अंतिम चरण में किया जाएगा।

हाल ही में सोलापुर में आयोजित प्राथमिक चरण में बीड शाखा की विजयकुमार राख लिखित और निर्देशित एकांकिका विच्छेदन को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। इसके अलावा, अभिषेक इनकर को अभिनय के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ, और विजयकुमार राख को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार मिला।

विच्छेदन एकांकिका में अभिषेक इनकर, मनोज जाधव, निकिता काशीद, कृष्णा टिपाले, शिवराज झांबरे, अमन तांगड़े, शरद भांगरे, सूरज उफाडे, आकांक्षा डंबाले ने भूमिकाएं निभाई हैं, जबकि महेश जगताप, सागर धनवे, राहुल पांडव, अशोक घोलप ने तकनीकी पक्ष संभाले।

३१ जनवरी को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में महाराष्ट्र की चुनी हुई ६ एकांकिकाओं की अंतिम प्रतियोगिता होगी। यह प्रस्तुति कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में की जाएगी।

अंतिम चरण में पहुंचने के लिए बीड नाट्य परिषद के अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य प्राचार्य डॉ. दीपा क्षीरसागर, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवानंद क्षीरसागर, नियमक मंडल के सदस्य डॉ. संजय पाटील देवळाणकर, डॉ. दुष्यंत रामटेके, विजयकुमार राव और नाट्य परिषद के सभी सदस्यों ने अभिनंदन किया है।

भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस का आज राज्यव्यापी आंदोलन

विशेष संवाददाता

मुंबई: भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव में वोटों की लूटपाट कर लोकतंत्र का गला घोंट दिया है। उनकी अपवित्र गठजोड़ लोकतंत्र पर एक कलंक है। लोकतंत्र की रक्षा और मतदाताओं के अधिकारों के लिए कांग्रेस पार्टी शनिवार, २५ जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यव्यापी तीव्र आंदोलन करेगी। यह जानकारी कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने दी।

पत्रकारों से बात करते हुए पटोले ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से धांधली की है। लोकसभा चुनाव के छह महीने बाद हुई विधानसभा चुनाव में ५० लाख मतदाता कैसे बढ़ गए? मतदान के दिन शाम ५ बजे के बाद रात के अंधेरे में ७६ लाख वोट कैसे बढ़ गए? इनका कोई प्रमाण चुनाव आयोग नहीं दे रहा है। राज्य में जो सरकार बनी है, वह जनमत की नहीं है, ऐसा जनसामान्य में महसूस किया जा रहा है। जनता से यह मांग उठ रही है कि मतदान केवल मतपत्र के जरिए हो।

इस मांग को लेकर कांग्रेस राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन में कांग्रेस के नेता, विधायक, सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, जिला पदाधिकारी, विभाग और सेल के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

फडणवीस का दावोस से निवेश लाने का बहाना: एनसीपी प्रमुख शरद पवार का आरोप

निवेश पर एक श्वेत पत्र जारी किया जाए: पटोले

मुंबई, २४ जनवरी (अज़ीज़ एजाज़):

विपक्षी पार्टी महा विकास अघाड़ी ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान ६१ कंपनियों के साथ हस्ताक्षर किए गए एमओयू और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के १५.७० लाख करोड़ रुपये के निवेश और लगभग १६ लाख रोजगार के अवसर पैदा करने के दावे पर सवाल उठाए हैं। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि महावती सरकार दावोस से निवेश लाने का नाटक कर रही है।

इस बीच, राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने दावोस में पूर्व एकनाथ शिंदे सरकार और वर्तमान देवेंद्र फडणवीस सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापनों और उनके जरिए पैदा हुए रोजगार के बारे में श्वेत पत्र की मांग की है।

पटोले ने कहा कि अगर राज्य में कोई बड़ा निवेश आता है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन जनता को यह जानने का अधिकार है कि कौन-कौन से समझौते हुए और उनकी सच्चाई क्या है। उन्होंने कहा कि पूर्व एकनाथ शिंदे और वर्तमान देवेंद्र फडणवीस सरकार को दावोस में हुए निवेश और उनके जरिए अब तक राज्य में हुए रोजगार के बारे में एक श्वेत पत्र प्रकाशित करना चाहिए।

पटोले ने कहा कि दावोस में जिन ६१ कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें से ५१ कंपनियां भारत से हैं। इनमें से ४३ कंपनियां मुंबई-पुणे क्षेत्र की हैं और उनके कार्यालय मंत्रालय से कुछ दूरी पर ही हैं। केवल १० कंपनियां विदेशी हैं।

सिडको और बुक माई शो के बीच १५०० करोड़ रुपये का समझौता हुआ है। मुंबई पुलिस वर्तमान में कोल्डप्ले टिकटों की कथित ब्लैक मार्केटिंग के लिए बुक माई शो की जांच कर रही है। पटोले ने सवाल उठाया कि क्या सरकार आपराधिक कंपनियों के साथ समझौते कर रही है और उन्हें ब्लैक मार्केटिंग की सुविधा प्रदान कर रही है?

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com